an>

Title: Regarding recruitment rules of teachers.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

मेरे प्वाइंट केवल मानव संसाधन मंत्रालय के साथ रिलेटेड हैं क्योंकि गृह मंत्रालय की तरफ से उत्तर आया था। आज यह छात्रों के भविष्य का मामला है, जो अंधकार में बूझ रहे हैं, उनको वापस मुख्य धारा में लाने के लिए क्या मानव संसाधन मंत्रालय के द्वारा जो नियम पूरे देश की शैक्षणिक संस्थाओं के लिए बनाये थे कि 207 फूट पर झंडा को फहराया जायेगा। एन.आई.टी. के मुख्य द्वारा पर झंडा कब फहराया जायेगा, क्योंकि राष्ट्रवाद के पूवचन देने वाले बहुत लोग आज मेरे सामने बैठे हुये हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बस हो गया, अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : क्या वे भी मेरे इस आह्वान में सहमति जतायेंगे कि भारत का राष्ट्र ध्वज एन.आई.टी संस्था में लगना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री शंकर प्रसाद जी।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया: अध्यक्ष महोदया, मैं मॉर्डन रिक्रूटमेंट रूल्स के बारे में कहना चाहता हूं।...(व्यवधान) शिक्षकों के लिए मॉडर्न रिक्रूटमेंट रूल्स हैं, उनमें 50 प्रतिशत स्थानीय शिक्षक होने चाहिए और 50 प्रतिशत शिक्षक बाहर के होने चाहिए। लेकिन एन.आई.टी. में सारे शिक्षक केवल स्थानीय हैं तो क्या आस-पास के क्षेत्र को शिक्षकों की भी वहां नियुक्ति की जायेगी या नहीं? हमें इसका भी उत्तर मानव संसाधन मंत्रालय से मिल पाये। वहां डीन और शिक्षक धमकी दे रहे हैं कि वर्ष 2019 तक डिग्री नहीं मिलेगी।...(व्यवधान) इसका भी पूरा-पूरा ध्यान रखा जाये।...(व्यवधान)